ਵਿਦਿਆ ਵਿਚਾਰੀ ਤਾ ਪਰਉਪਕਾਰੀ ॥

ਸ਼ੁਭ ਅਸੀਸਾਂ

ਮਹਾਂਪੁਰਸ਼ ਬਾਬਾ ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ ਜੀ

ਨਾਨਕਸਰ ਕਲੇਰਾਂ

ਨਾਮ ____________

ਕਲਾਸ ____________ ਸੈਸ਼ਨ ____________

ਰੋਲ ਨੰ. ____________ ਵਿਸ਼ਾ ____________

ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰ ਪੁਰੀ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਫਾਊਂਡੇਸ਼ਨ (ਰਜਿ:)

ਪਿੰਡ ਬੋਦਲਵਾਲਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਜਗਰਾਉਂ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ।

दो ग्रहों के जोड़ का फल

(1) सूरज तथा चन्द्र का जोड़

सख्त स्वभाव, गुस्से वाला, लालची, मामूली रोजगार, कारीगर

(2) सूर्य तथा मंगल का जोड़

दिलेर, गुस्से वाला, पापी, बलवान, दूसरों को दबाने वाला, सख्त, कटुभाषी, आकड़ वाला

(3) सूर्य तथा बुध का जोड़

अक्लमंद, दिनाअ, होशियार, दौलत से भरपूर,

(4) सूर्य तथा गुरु का जोड़

अक्लमंद, दिनाअ, होशियार, अमीर, दौलतमंद, लोगों के काम करने वाला।

(5) सूर्य तथा शुक्र का जोड़

बहादुर, दिलेर, शौकीन (रंग-राक का) फन (हस्त कारीगर), होशियार, औरत का हुक्म मानने वाला

(6) सूर्य तथा शनि का जोड

लेनदेन में होशियार, व्यपार में लायक, हर चीज को पहचानने वाला

(7) चन्द्र तथा मंगल की युति

लडाका, सख्त, पापी, झूठा, चुगलखोर, बीमार

(8) चन्द्र तथा बुध की युति

रहम दिल, दानी, धर्मात्मा, दौलतमंद, विद्वान, अक्लमंद

(9) चन्द्र तथा गुरु की युति

दौलतमंद, शुभ कार्य करने वाला, खानदान में मशहूर, हर ऐक को सहारा देने वाला, खानदान के लोक उसका हुकम मानें,

(10) चन्द्र तथा शुक्र की युति

अक्लमंद, हर एक कार्य में अक्लमंद, लायक, हर ऐक को सलाह देने वाला पर बदमाश

(11) चन्द्र तथा शनि की युति

अच्छे काम करने वाला, हर एक का भला चाहने वाला,

(12) मंगल तथा बुध का जोड

बहादुर, दिलावर (साहसी), खेल और लडाई में पहलवान, खानदान को पालने वाला

(13) मंगल तथा गुरु का जोड

खानदान की परवरिश करने वाला, बडी तरक्की वाला, समझदार, बहादुर, दिलावर (साहसी)

(14) मंगल तथा शुक्र की युति

फिकरमंद, बेकरार, अंदेशा, परेशानी, झूठा, शत्रु विजयी, गैर-औरत (दूसरी और) का शौकीन,

(15) मंगल तथा शनि का जोड

हैरान, परेशान

(16) बुध तथा गुरु का जोड

हमेशा खुशहाल, खुशबूदार चीजों को चाहने वाला, रागी

(17) बुध तथा शुक्र का जोड

माना हुआ, मशहूर, खानदान में सरदार, दिमाग (अक्लमंद), दस्तकार, कला जानने वाला, मीठी जुबान

(18) बुध तथा शनि का जोड

हमेशा खुशहाल, परिवार पालने वाला, अहसान करने वाला, पतला, धोखा देना, झूठा

(19) गुरु तथा शुक्र का जोड

खुशहाल, अच्छी संतान, दौलतमंद, पढ़ा-लिखा, लैक्चरआर, बुलंद आवाज

(20) गुरु तथा शनि का जोड

हर तरह से खुशहाल, बहुत, बोलने वाला, मजबूत,

(21) शुक्र तथा शनि का जोड़

नक्शा बनाने वाले, तस्वीरों के कार्य में होशियार, इज्जत वाला, खुशी से समय बिताने वाला, अमीर, जौहरी, औरत मजबूत

तीन ग्रहो का जोड

① सू०, चं०, बु० का जोड

बडी मुश्किल से काम को सिरे लगाने वाला, दलेर, होशियार, लोग उसका डर मानें, सवारियों (स्कूटर, घोडा) का शौकीन

② सू०, चं०, गु० का जोड

रोजगार, मुलाजिम, सफर ज्यादा, होशियार

③ सू०, चं०, शु० का जोड

बेरोजगार, गुजारा बडी मुश्किल से, दूसरों पर गुजारा

④ सू०, चं०, श० का जोड

नदारा (परेशान), गुजारा तंग दिल से

(5) सू०, मं, बु का जोड

परेशानी संतान की, घूमने वाला (देश-विदेश), जादूगर

(6) सू०, मं, गु० का जोड

अफसर, फौजी, अमीर, सख्त स्वभाव

(7) सू०, मं०, शु० का जोड

दौलतमंद, होशियार, सखी (दानी), लोगों पर अहसान और मेहरबानी करने वाला

(8) सू०, मं०, श० का जोड

हर एक से बिगाड़, जिदबाजी, बहसनेवाला, बीमार, परेशान, हेराफेरी या मिन्नत से रहना.

(9) सू०, बु०, गु० का जोड
अक्लमंद, अमीर, समझदार, मशहूर
लेकिन आँखों में कोई रोग पैदा हो सकता है।

(10) सू०, बु०, रा० का जोड
कमजोर, बुजदिल, औरत मुश्किल तथा
सम्बंधियों से बदसलूकी

(11) सू०, गु०, शु० का जोड
बेअक्ल, बदसलूक, बेरोजगार, बदनाम

(12) सू०, गु०, रा० का जोड
मशहूर, अच्छे काम करने वाला, मुअज्ज (नामवर)
रहम दिल, औरत- औलाद से खुशहाल

(13)

(13) सू०, शु०, श० का जोड़

बदनाम, बदकार, बेरोजगार, ईशक-अंगेज कहानियों में मस्त

(14) च०, म० तथा बुध का जोड़

बदनाम, बेकार, बेकदर, असान और मुरब्बत न जानने वाला (किसी को अच्छा न समझने वाला)

(15) च०, मं०, गु० का जोड़

खुशशक्ल, एयाश, बदकार, जनाही, चोर, पसादी (झगड़े वाला), झूठा, बदओद (बिना भरोसा), धोखा देने वाला

(16) च०, मं०, शु० का जोड़

बेकार, गुजारे से तंग, औलाद की परेशानी, औरत नालायक, नाफरमा बरदार (हुकम ना मानने वाला)

(17) चं०, मं०, श० का जोड़

बदनाम, जनाहकार, बग़ैर रोजगार, बचपन में मात की मौत, परेशानी, तकलीफ

(18) चं०, मु०, बु० का जोड़

साहिबआलम (अच्छा पढ़ा-लिखा), खुशहाल, खुशकिस्मत, नामवर, नेकनाम

(19) चं०, बु०, शु० का जोड़

विद्वान, लालची, होशियार, रुपया कमाने में व्यस्त,

(20) चं०, बु०, श० का जोड़

बड़ा अक्लमंद, खुशहाल, नामवर, मुज्जज (मशहूर)

(२१) चं०, गु०, शु० का जोड़

बुलंद इकबाल (नसीब), खुशवक्त (हर समय खुश)

(२२) चं०, गु०, श० का जोड़

यकीन देने वाला, नामवर, मुअज्ज़, राजदरबार में कदर, जादूगरी का शौकीन

(२३) चं०, शु०, श० का जोड़

पढ़ा-लिखा, विद्वान, पंडित, वेदों को जानने वाला, धर्मात्मा, परहेज़गार

(२४) मं०, बु०, गु० का जोड़

परीवार को पालने वाला, खानदान में सरदार, कुलदीपक, अच्छे स्वपन और शेयर (बातचीत) का प्यारा (गवैया)

(25) मं०, बु०, शु० का जोड़

दुबला बदन, थोड़ा बोलने वाला, अमीर,

(26) मं०, बु०, श० का जोड़

अधर्मी, पापी, चुगलखोर, खबर पहुँचाने वाला

(27) मं०, शु०, गु० का जोड़

बड़े ओधे (उपाधि) वाला, मुसन्न फ (किताब लिखने वाला) संतान व स्त्रि से खुशहाल, मुज्जज, नेकनाम, दिलावर (दलेर)

(28) मं०, गु०, श० का जोड़

कमीना रोजगार, बेरहम, जालिम, तबियत, बदओधा अपने वादे से पहर (मुक्कर) जावे,

(29) मं०, श०, शु० का जोड

हमेशा सफर, औरत नाफरमान (ना कहना मानना), औरत लडाकी

(30) बु०, गु०, शु० का जोड

मशहूर, मुज्जज, बडे कद वाला, दुश्मनों का कातिल (या दबाने वाला)

(31) बु०, गु०, श का जोड

अमीर, सहब (ज्यादा) जायदाद, जमीन, मकान, खुशहाल, अच्छे काम करने वाला

(32) बु०, शु०, रा० का जोड

बदकार, धोखेबाज, जुबान तेज (ज्यादा बोलना), बेऐतबार, बेकदर, बदनाम

(33) गु०, शु०, श० का जोड

गरीब या कमीना, बेनिशान, खानदान में जन्म लेने वाला, मशहूर, राजा अमीर, बडा इकबाल (नसीब)

चार या चार से ज्यादा ग्रहों का जोड

1) चार या चार से ज्यादा ग्रहों का जोड केन्द्र (1,4,7,10) या त्रिकोण (5,9) में हो तो साधु या फकीर या फकीरों के फिरको में शामिल होता है।

2) सूर्य बलवान हो तो गबीरो वस्त्रधारी और तपस्वी हो।

3) चन्द्र बलवान हो तो खप्परधारी

4) मंगल बलवान हो तो कपाली

5) बुध बलवान हो तो ढूँढी सन्यासी, विद्वान

6) गुरु बलवान हो तो यती

7) शुक्र बलवान हो तो चक्रधारी

१) शनि बलवान हो तो रोगिश होवे।

प्रकरण - 1

२) नक्षत्र मंगल दाता - रोहिणी, तीनों उत्तरा, मूल, स्वाती, रेवती, मृगशिर, मघा, अनुराधा, हस्त (विवाह समय)

३) माघ मास में विवाह — कन्या धनवती
फाल्गुन — सौभाग्यवती
वैशाख, ज्येष्ठ में विवाह — पति वल्लभा

४) आषाढ़ मास — कुल वृद्धि
पौष मास — वर्जित
मार्गशीर्ष — विवाह शोध कर

५) विवाह में वर्जित ⇒ अमावस्या, रिक्ता तिथि (४/८/१२), जन्मनक्षत्र, क्रूरवार (सूर्य, मंगल), गंडमूल, वारवेला (श्लोक ७, ८)

६) नंदा तिथि- १।६।११, भद्रा तिथि- २।७।१२, जया तिथि- ३।८।१३, रिक्ता तिथि- ४।९।१४, पूर्णा तिथि- ५।१०।१५

७)

९) भद्रा (श्लोक ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५), कर्कटयोग, तिथि के अंत की घडी २,
यमघंट योग, दग्धा तिथि (श्लोक १७)
नक्षत्र के अंत की घडी ३, कुलिक योग (श्लोक २०, २१)
विवाह में वर्जित

१२) मेष, मकर, वृष, कर्क - स्वर्गलोक में भद्रा
मिथुन, कन्या, तुला, धनु - भद्रा पाताल में
कुम्भ, मीन, वृश्चिक, सिंह - मृत्युलोक में वास

१३) स्वर्गलोक में भद्रा - शुभ लाभ
पाताल लोक - द्रव्य लाभ
मृत्यु लोक - सर्वकार्य विनाश।

१४) मृत्युलोक में भद्रा = सन्मुख भद्रा
पाताल —— = अधोमुख भद्रा
स्वर्ग —— = उर्ध्वमुख भद्रा
सन्मुख भद्रा - मृत्यु की दाता

१५)

१६-१७) मीन, धनु का सूर्य, द्वितिय तिथि - दग्धा

वृष, कुम्भ ४

मेष, कर्क ६

कन्या, मिथुन ८

सिंह, वृश्चिक १०

मकर, तुला १२

१८) संक्रांत अंत का एक दिन (मासांत) - विवाह वर्जित

१९) मास के अंत में फेरे - कन्या मृत्यु

तिथि " " " " - अपुत्रिणी

नक्षत्र " " " " - विधवा

भद्रा में विवाह - कन्या, वर दोनों की मृत्यु

२०-२१) कुलिक योग ⇒

र	च.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	दिन
७	६	५	४	३	२	१	तिथि

२२-२३) अवर्ग - गरुड

कवर्ग - बिडाल

चवर्ग - सिंह

टवर्ग - श्वान

तवर्ग - सर्प

पवर्ग - मूषक

यवर्ग - मृग

शवर्ग - मेढा

२४) अपने वर्ग से पांचवा वैर

चौथे मित्रता

तीसरे उदासीनता

२५) देवता गण - अश्विनी, मृग, रेवती, हस्त, स्वाति, पुष्य, पुनर्वसु, अनुराधा, श्रवण

२६) मनुष्यगण - पूर्वा ३, उत्तरा ३, आर्द्रा, रोहिणी, भरणी

२७) राक्षस गण - कृतिका, मघा, आश्लेषा, विशा, शत०, चित्रा, धनि०, ज्ये०, मूल०

२८) अगर स्त्री पुरुष एक गण के हों तो अशुभ प्रीति देव मनुष्य हों तो मध्यम प्रीति,

२९) स्त्री की राशि से पुरुष की राशि ६ होय तो और स्त्री पुरुष से आठवीं राशि आवे तो मृत्यु होवे

30) मेष, सिंह, धनु - क्षत्रिय
वृष, कन्या, मकर - वैश्य
मिथुन, तुला, कुम्भ - शूद्र
कर्क, वृश्चिक, मीन - ब्राह्मण

31-32) जो कन्या उत्तमवर्ण होय और पुरुष हीनवर्ण तो पुरुष की निश्चित मृत्यु. याते उच्च वर्ग विवाह वर्जित है (विशेषकर ~~कन्या से~~ ब्राह्मण।

~~4/8/2003~~

23CD 440831

23CD 440832

23CD 440833

23CD 440834

53308 = 4 3

20/2



درد دی گولی خوراک دوا

موصلی سفید

سالم پنجہ

چھوٹی الائچی دے بیج

ستاور

کونج بیج چھلکا اتار کر

برابر وزن۔

بچہ روکن دی دوائی

سفید چھلکو کی چھلکی موٹی

3 ماشے دینی [illegible] بیماری بعد

بیت پاپڑہ سوکی [illegible] دو کو [illegible]

باجرہ

~~باجرہ~~

[illegible]

باجرے دی پھک [illegible] اکو

[illegible]

نمبر 98742/80300